भूमि संरक्षण कृषि अनुभाग द्वारा संचालित योजनाएंः–

जनपद बदायूँ का कुल भौगोलिक क्षेत्रफल 520028 हे0 है, जिसमें से 140877 हे0 भूमि समस्याग्रस्त है। इसमें 78772 हे0, मृदा कटाव से ग्रस्त भूमि 5412 हे0, बीहड़ एवं खडड भूमि 1005 हे0 ऊसर प्रभावित भूमि, 5600 हे0 जलभराव क्षेत्र, 18041 हे0 भावर क्षेत्र, 3047 हे0 परती एवं 8208 हे0 रामगंगा की कटरी से प्रभावित क्षेत्र है।

रामगंगा नदी की मुख्य धारा के किनारे धारा परिवर्तन के कारण भूमि कटाव में वृद्धि से अकृष्य क्षेत्र बढ़ता जा रहा है। साथ ही प्रभावित क्षेत्र में नरकुल, सरपत, सरकन्डा, मूंझ आदि घासें उग आती हैं, इन बहुवर्षीय घासों से यह क्षेत्र घने रूप में ढका होने के कारण यह क्षेत्र असामाजिक तत्वों की शरणस्थली बन गया है। स्थानीय भाषा में इस कटरी क्षेत्र कहते हैं। इस प्रभावित क्षेत्र में विभिन्न भूमि एवं जल संरक्षण विधियों को अपनाकर इस अकृष्य क्षेत्र को कृषि योग्य में परिवर्तित कर फसलोत्पादन, बागवानी, कृषि वानिकी के अन्तर्गत आच्छादित किया जाना प्रस्तावित है। इससे कृषि उत्पादन में वृद्धि के साथ–साथ रोजगार एवं कानून व्यवस्था को स्थापित करने में योजना मददगार सिद्ध होगी।

क्षेत्र/लाभार्थी चयन :– समस्याग्रस्त क्षेत्र के समस्त कृषकों एवं कृषक मजदूर इस योजना के लाभार्थी होंगे। परियोजना का चयन समस्या की जटिलता के आधार पर किया गया है। जिसमें लघुस्तरीय एवं अनुसूचित जाति के कृषक बहुलता में हैं।

प्रस्तावित कार्यः–

1. झाड़ी सफाई एवं समतलीकरण।
2. समोच्च रेखीय बांध।
3. मार्जिनल एवं पैरीफेरल बांध।
4. अवरोध बांध।
5. उत्पादन कार्यक्रम।
6. वैज्ञानिक सिंचाई सुविधाओं का विस्तार।
7. सम्पर्क मार्ग निर्माण।
8. प्रशिक्षण के माध्यम से लाभार्थियों का क्षमता उन्नयन।

NIC BUDAUN

प्रति इकाई लागत एवं अनुदान :—

प्रस्तावित योजना में अनुदान के साथ—साथ विभिन्न कार्यों में कृषकों के अंशदान की व्यवस्था की गई है, विभिन्न कार्यों की प्रति इकाई/हे0 लागत एवं अनुदान का विवरण निम्न प्रकार है:—

क0सं0	कार्यक्रम	इकाई	प्रति इकाई लागत (रू0)	अनुदान अंश (रू0)	कृष क अंश (रू0)
1	झाड़ी सफाई एवं समतलीकरण	हे0	50000	50000	0
2	समोच्च रेखीय बांध निर्माण	हे0	3200	3200	0
3	पैरीफेरल एवं मार्जिनल बांध निर्माण	हे0	5500	5500	0
4	बाढ नियंत्रण संरचनाएं				
	क—अवरोध बांध निर्माण	हे0	9000	9000	0
	ख—स्पर/रिटेनिंग बाल निर्माण	हे0	18000	18000	0
5	बोरिंग एवं पम्पसेट व्यवस्था	संख्या	30000	15000	15000
6	चकरोड/संपर्क मार्ग निर्माण	कि0मी0	60000	60000	0
7	उत्पादन कार्यक्रम				
	क—फसल प्रदर्शन	संख्या	3000	1500	1500
	ख—बागवानी विकास	संख्या	4000	2000	2000
	ग—कृषि वानिकी/वनीकरण	संख्या	4000	2000	2000

NIC BUDAUN

चयनित ग्राम :— तहसील—दातागंज जनपद—बदायूँ विकास खण्ड समरेर, दातागंज, म्याऊं

ग्राम नौनी टिकन्ना खाम, चादर कौस खाम, भांकरपुर खाम, विसौरिया, सबलपुर खाम, मनहरिआ, सूरपुरखाम, गोपालपुर खाम, बेलाखाम, जसेना कुलहर, राजपुर खाम, लालपुर बेला आदि।

वर्ष 2009—10 में 1000 हे0 क्षेत्रफल उपचारित किया गया तथा वर्श 2010—11 हेतु 1983 हे0 क्षेत्रफल उपचारण हेतु प्रस्तावित है।

राष्ट्रीय जलागम विकास कार्यक्रमः– राष्ट्रीय जलागम विकास कार्यक्रम 11वीं पंचवर्षीय योजना के अन्तर्गत जनपद बदायूं में पांच जलागमों का चयन किया गया है, इस कार्यक्रम के अनुसार उझानी विकासखण्ड के अन्तर्गत रिनुइया, कादरचौक विकास खण्ड में मौसमपुर बमनौसी, सहसवान विकासखण्ड में रफतपुर बंजरा, बिसौली विकासखण्ड में अहमदगंज रायपुर तथा इस्लामनगर विकास खण्ड में बुद्धनगर का चयन किया गया है। इस योजना के अन्तर्गत 2500 हे0 क्षेत्रफल 5 वर्षों में उपचारित किया जाना है।

योजना के उद्देश्य :– राष्ट्रीय जलागम विकास कार्यक्रम के वृहद उद्देश्य निम्न प्रकार है–

1. प्राकृतिक संसाधनों का संरक्षण, विकास, प्रबंधन एवं सतत उपयोग सुनिश्चित करना।
2. उत्पादन व उत्पादकता में वृद्धि करना।
3. वृक्षों, झाड़ियों एवं घासों के रोपण से हरियाली बढ़ाकर वारानी क्षेत्रों में बिगड़ते परिस्थिकीय असंतुलन को पुर्नस्थापित करना।
4. सिंचित एवं असिंचित क्षेत्रों में परस्पर असमानता दूर करना।
5. ग्रामीण जनता को रोजगार के अवसर उपलब्ध कराना।

NIC BUDAUN

प्रस्तावित कार्य :–

1. समोच्च रेखीय बांध।
2. मार्जिनल एवं पैरीफेरल बांध।
3. अवरोध बांध।
4. तालाबों का जीर्णोद्धार।
5. कृषि वानिकी/उद्यानीकरण।
6. आस्थमूलक कार्य।